Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to include places associated with great historical personalities of Rajasthan under 'PRASAD' and 'SWADESH DARSHAN' schemes and also install the statue of Raja Rana Punja-laid.

श्री अर्जुन लाल मीणा (उदयपुर): मैं माननीय मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहूंगा कि मेरे लोक सभा क्षेत्र उदयपुर (राजस्थान) में महाराणा प्रताप जी के जीवन से जुड़े अनेक ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल हैं । स्थलों को देखने हेतु देश ही नहीं विदेशों से भी भारी संख्या में सैलानी यहां पर आते हैं । मेरा आपसे विनम्र निवेदन है-

1. कुंभलगढ़ यहां महाराणा प्रताप का जन्म हुआ ।

2. गोगुन्दा यहां महाराणा प्रताप का राजतिलक किया गया ।

3. चावण्ड, सराड़ा यहां महाराणा प्रताप ने अपने प्राण त्यागे ।

4. भगवान ऋषब देव जी जैन समुदाय का प्रथम तीर्थकर एवं आदिवासी समुदाय का आस्था

केन्द्र ।

5. हाडा रानी स्थल सलूम्बर ।

6. भोरई गढ़ में आदिवासी राजा का किला ।

7. एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील जयसमंद ।

इन सभी स्थानों के विकास हेतु इन्हें भारत सरकार द्वारा चलाई गई प्रसाद एवं 'स्वदेश दर्शन' योजना से जोड़ने का कष्ट करे । श्रीमान बताना चाहूंगा कि महाराणा प्रताप जी के समाधि स्थल का उद्घाटन पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया था जो कि वर्तमान में रखरखाव के अभाव में जीर्णशीर्ण होता जा रहा है । साथ ही भोमट के राजा राणा पुंजा जिन्होंने हल्दी घाटी युद्ध में महाराणा प्रताप का सहयोग दिया था, उनकी भी प्रतिमा

चावंड एवं अन्य सभी राणा प्रताप से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों पर लगवाई जावे । जिससे क्षेत्र ही नहीं देश विदेश से आ रहे लोगों को इनके त्याग, बलिदान, शौर्य की जानकारी मिल सके इसके लिए मैं सदा आपका आभारी रहूंगा ।